Self Respect

05-09-2014

- ✓ वह है सुप्रीम, परम है क्योंकि परमधाम में रहने वाला है । तुम भी सब परमधाम में रहते हो परन्तु उनको परम आत्मा कहते हैं ।
- ✓ बाप तो बच्चों को बैठ पढ़ाते हैं । वह बाप, टीचर, गुरू भी है । शिवबाबा सबको बैठ समझाते हैं ।
- ✓ तुमको किसने एडाप्ट किया? ब्रह्मा द्वारा बाप ने एडाप्ट किया । ब्राह्मण जब बनेंगे तब ही तो देवता बनेंगे ।
- ✓ बेहद का बाप आया हुआ है पढ़ाने । उस बाप को याद करने से हमारे पाप कट जायेंगे । हम बाप के पास आये हैं, बाबा से नई दुनिया का वर्सा जरूर मिलेगा । नम्बरवार तो होते ही हैं- 100 से लेकर एक नम्बर तक परन्तु बाप को जान लिया, थोड़ा भी सुना तो स्वर्ग में जरूर आयेंगे । 21 जन्मों के लिए स्वर्ग में आना कोई कम है क्या!

- ✓ तुम भी मनुष्य, परन्तु तुम ब्राह्मण बने हो । अपने को ब्राह्मण ही कहलाते हो । तुम ब्राह्मणों का एक बापदादा है ।

- ✓ अभी बाप समझाते हैं खुदा तुम बच्चों का दोस्त है, इनमें प्रवेश कर तुम्हारे साथ खाते पीते हैं, खेलते भी हैं ।

- ✓ बाप बैठ तुम बच्चों को अपना और रचना के आदि-मध्य- अन्त का परिचय, डयुरेशन बताते हैं । जो बात कोई भी नहीं जानते । सेन्सीबुल जो होंगे वह बुद्धि से काम लेंगे । सन्यासियों को तो सन्यास करना है । तुम भी शरीर सहित सब कुछ सन्यास करते हो, जानते हो यह पुरानी खल है, हमको तो अब नई दुनिया में जाना है ।

- ✓हम आत्मा यहाँ की रहने वाली नहीं हैं । यहाँ पार्ट बजाने आये हैं । हम रहवासी परमधाम के हैं । यह भी तुम बच्चे जानते हो वहाँ निराकारी झाड़ कैसा है । सभी आत्मायें वहाँ रहती हैं, यह अनादि ड्रामा बना हुआ है ।
- ✓अभी बाप ने तुम्हें ज्ञान की चाबी दी है, जिससे बुद्धि का ताला खुल गया है । पहले ताला एकदम बन्द था, कुछ भी समझते नहीं थे ।
- ✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमोर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।
- ✓वरदान:स्वार्थ, ईर्ष्या और नपेड़चड़िचि से मुक्त रहने वाले क्रोधमुक्त भव !
- ✓स्लोगन: शान्ति दूत बन सबको शान्ति देना - यही आपका आक्यूपेशन है ।